॥ सूरदास के भ्रमरगीत की गोपियाँ ॥

॥ प्रमाणपत्र ॥

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि श्री. सुरेंद्र दत्तात्रय मालगावे ने शिवाजी विश्व विद्यालय की एम्. फिल. [हिंदी] उपाधि के लिए प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध "सूरदास के भ्रमरगीत की गोपियाँ" मेरे निर्देशन में पूरे परिश्रम के साथ सफलता पूर्वक पूर्ण किया है। संपूर्ण लघु-शोध-प्रबंध को आरंभ से अंत तक पढकर ही मैं यह प्रमाणपत्र दे रहा हूँ। श्री. सुरेंद्र दत्तात्रय मालगावे के प्रस्तुत शोध कार्य से मैं संतुष्ट हूँ।

[प्रा. शरद कणावरकर]
शोध निर्देशक
हिंदी विभाग
शिवाजी विश्व विद्यालय
कोल्हापुर।

दिनांक :

"प्र त्या य न"

मैं ने "गोपियों की मनोदशा" यह लघु-शोध -प्रबंध प्रा. शरद कण्बरकरजी के निर्देशन में शिवाजी विश्वविद्यालय की एम्. फिल् [हिंदी] उपाधि के लिए पूरा किया है। मेरा यह शोधकार्य मौलिक है। यह लघु-शोध प्रबंध अन्य किसी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए मैंने प्रस्तुत नहीं किया है।

[श्री. सुरेंद्र दत्तात्रय मालगावे]
"विमला निवास" विद्यानगर
विश्रामबाग. सांगली.

दिनांक: २९/११/९०
कोल्हापूर

॥ अनुक्रमणिका ॥

पृष्ठ क्रमांक

१ प्राक्कथन — १ – ३

२ आमुख — ४ – १२

३ प्रथम अध्याय — १३ – २८

४ द्वितीय अध्याय — २९ – १२८

५ तृतीय अध्याय — १२९ – १३७

६ उपसंहार — १३८ – १४१

७ संदर्भ ग्रंथ सूची — १४२ – १४४

• • •